

जीबीयू में पंचदिवसीय विपस्सना ध्यान कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

ग्रेटर नोएडा, 21 फरवरी (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले ध्यान केन्द्र में बुधवार को पंचदिवसीय विपस्सना ध्यान कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत समस्त संकाय सदस्यों द्वारा बुद्धमूर्ति के समक्ष प्रदीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्पण के साथ हुई। संकाय की डीन और कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. श्वेता आनंद का विभागाध्यक्ष डॉ. पासवान ने खतक देकर स्वागत किया। बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य ने पाली साहित्य के आलोक में गौतम बुद्ध द्वारा अन्वेषित विपस्सना भावना के बारे में बताया। कार्यक्रम के आयोजक एवं



बोधि ध्यान साधना के समन्वयक डॉ. मनीष मेश्राम ने स्वागत भाषण दिया तथा उपस्थित जनसमूह को विपस्सना ध्यान के नियमित अभ्यास से प्राप्त होने वाले लाभों से अवगत कराया। इसके साथ ही बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मेश्राम ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को विपस्सना का अभ्यास भी करवाया। कार्यक्रम की विधिवत

शुरुआत बुद्ध वन्दना से हुई, जिसमें भारतीय बौद्ध श्रद्धालुओं तथा बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय में अध्ययनरत विदेशी बौद्ध भिक्षु एवं भिक्षुणियों ने भाग लिया। बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. चिंतल वेंकट सिवसाई ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस कार्यक्रम में प्रो. श्वेता आनंद, डॉ. चंद्रशेखर पासवान, डॉ. अरविन्द कुमार सिंह, डॉ. चिंतल वेंकट सिवसाई, डॉ.

ज्ञानादित्य शाक्य, डॉ. प्रियदर्शिनी मित्रा, विक्रम सिंह यादव, डॉ. रेनू यादव, कन्हीया, अजय, संदीप, सचिन, राकेश और राजकुमार सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिसमें विश्वविद्यालय के सदस्य, कर्मचारी, छात्र-छात्रों के साथ कई बौद्ध अनुयायियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के छात्र कुलदीप कुमार दिवाकर ने किया।

जी.बी.यू. में पंचदिवसीय विपस्सना ध्यान कार्यक्रम का उद्घाटन

राष्ट्रीय शान ग्रेटर नोएडा। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा में स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले ध्यान केन्द्र में 21 फरवरी 2024 को पंचदिवसीय विपस्सना ध्यान कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत समस्त संकाय सदस्यों द्वारा बुद्धमूर्ति के समक्ष प्रदीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्पण के साथ हुई।

संकाय की डीन और कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो० श्वेता आनंद का विभागाध्यक्ष डॉ पासवान ने खतक देकर स्वागत किया। बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य ने पाली साहित्य के आलोक में गौतम



बुद्ध द्वारा अन्वेषित विपस्सना भावना के बारे में बताया। कार्यक्रम के आयोजक एवं बोधि ध्यान साधना के समन्वयक डॉ. मनीष मेश्राम ने स्वागत भाषण दिया तथा उपस्थित जनसमूह को विपस्सना ध्यान के नियमित अभ्यास से प्राप्त होने वाले लाभों से अवगत कराया। इसके

साथ ही, बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मेश्राम ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को विपस्सना का अभ्यास भी करवाया। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत बुद्ध वन्दना से हुई, जिसमें भारतीय बौद्ध श्रद्धालुओं तथा बौद्ध

अध्ययन एवं सभ्यता संकाय में अध्ययनरत विदेशी बौद्ध भिक्षु एवं भिक्षुणियों ने भाग लिया। बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. चिंतल वेंकट सिवसाई ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस कार्यक्रम में प्रो० श्वेता आनंद, डॉ चंद्रशेखर पासवान, डॉ अरविन्द कुमार सिंह, डॉ. चिंतल वेंकट सिवसाई, डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य, डॉ प्रियदर्शिनी मित्रा, विक्रम सिंह यादव, डॉ रेनू यादव, कन्हीया, अजय, संदीप, सचिन, राकेश और राजकुमार सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिसमें विश्वविद्यालय के सदस्य, कर्मचारी, छात्र-छात्रों के साथ कई बौद्ध अनुयायियों ने भी भाग लिया।

जीबीयू : ध्यान के लाभ बताए

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में महात्मा ज्योतिबा फूले ध्यान केंद्र में बुधवार को पांच दिवसीय ध्यान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के आयोजक एवं बोधि ध्यान साधना के समन्वयक डॉ. मनीष मेश्राम ने ध्यान के नियमित अभ्यास से प्राप्त होने वाले लाभों से अवगत कराया। कार्यक्रम में प्रो. श्वेता आनंद, प्रो. डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य, डॉ. चिंतल वेंकट सिवसाई, प्रो. श्वेता आनंद, डॉ. चंद्रशेखर पासवान, डॉ. अरविंद कुमार सिंह, डॉ. चिंतल वेंकट सिवसाई, डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य, डॉ. प्रियंका मित्रा, विक्रम सिंह यादव व डॉ. रेनू यादव ने हिस्सा लिया। ब्यूरो